SC

Exam Seat No : _____ No. of printed Page : 02

[A-31]

SARDAR PATEL UNIVERSITY

TYBA [External] Examination

Thursday, 11 April 2019

10:00 am To 01:00 pm

Subject : Hindi Literature : Paper : X / Subject Code : HIN – 310

Subject Title : भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त और हिन्दी आलोचना

सूचना : हिन्दी में शिरोरेखा लगाना अनिवार्य है। कुल गुण : १००

प्रश्न–१ काव्य के विविध संप्रदायों का विस्तार से परिचय दीजिए। (१९)

अथवा

ओज, प्रसाद तथा माधुर्य गुणों की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न–२ प्लेटो के अनुकरण सिद्धान्त की विस्तृत चर्चा कीजिए। (१९)

अथवा

अरस्तु का विरेचन सिद्धान्त स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–३ आचार्य रामचंद्र शुक्ल की समीक्षा पद्धति की चर्चा कीजिए। (१९)

अथवा

आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि की चर्चा कीजिए।

प्रश्न–४ टिप्पणी लिखिए। (२४)

(क) काव्य प्रयोजन । अथवा काव्य गुण।

(ख) स्वच्छन्दतावाद। अथवा प्रतीक।

(ग) आलोचक नामवर सिंह। अथवा आलोचक हजारीप्रसाद द्विवेदी।

प्रश्न–५ निम्नलिखित अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्हीं : १९) (१९)

(१) काव्य हेतु लिखिए।

(२) शब्दशक्ति के प्रकार लिखिए।

(३) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' किस आचार्य ने कहा है?

(४) किन्हीं चार काव्य दोषों के नाम लिखिए।

(५) अभिधा शब्दशक्ति की परिभाषा लिखिए।

(६) काव्य दोष की परिभाषा लिखिए।

(P.T.O.)

(७) आचार्य मम्मट के काव्यग्रंथ का नाम लिखिए।

(८) आचार्य क्षेमेन्द्र ने कौन-सा सिद्धान्त दिया?

(९) उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा दीजिए।

(१०) छन्द के प्रकार लिखिए।

(११) प्लेटो के शिष्य का नाम लिखिए।

(१२) अरस्तु ने कौन-सा सिद्धान्त दिया?

(१३) प्लेटो के अनुसार कौन अपनी स्वतंत्रता की रक्षा नहीं कर सकता?

(१४) बिम्ब का अर्थ लिखिए।

(१५) स्वच्छन्दतावाद का प्रभाव हिन्दी साहित्य के किस युग पर पड़ा?

(१६) कॉलरिज ने कौन-सा सिद्धान्त दिया?

(१७) अंग्रेजी में स्वच्छन्दतावादी काव्य-धारा का प्रवर्तक किसे माना जाता है?

(१८) छन्द शास्त्र में दीर्घ वर्ण को क्या कहा जाता है?

(१९) शैली की दृष्टि से वाजपेयी जी की समीक्षा पद्धति कैसी है?

(२०) 'चिन्तामणि' किसका निबन्ध संग्रह है?

— X —

(2)